

>

Title: Need to make proper provisions for the mentally disabled people living in shelter home in Rohini, Delhi.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं विषय बदलना चाहती हूँ और यह विषय आशा की किरण, जो एक शेल्टर होम है दिल्ली के रोहिणी इलाके में। यह इकलौता शेल्टर होम है, जो मानसिक रूप से पीड़ित लोगों के लिए दिल्ली सरकार चलाती है। इसमें जो रहने वाले लोगों की क्षमता है, वह पांच सौ के आसपास है, लेकिन यहां पर नौ सौ से अधिक लोग हैं और जो व्यवस्थाएं वहां होनी चाहिए, बहुत ही दर्दनाक स्थिति है। शौचालयों से लेकर अन्य प्रावधानों की कोई व्यवस्था नहीं है। आए दिन लोगों की मृत्यु यहां पर बहुत अधिक संख्या में हो रही है। तकरीबन 163 स्टाफ की यहां पर कमी है। इन सबके रहते हुए चाहे शौच है, चाहे उन रोगियों की देखभाल का काम है, यह बहुत कठिन काम होता है। इसके लिए ट्रेन्ड स्टाफ की जरूरत है। तो ऐसे में जो भी आर्थिक या मानव संसाधनों की आवश्यकता है। दिल्ली सरकार पर्याप्त रूप से उसका प्रावधान करे। ताकि ऐसे रोगियों की, जिनके परिवार नहीं है, कोई देखभाल करने वाला नहीं है, एक संवेदनशीलता का प्रतीक हो। लेकिन यहां पर तो दिल्ली के मालिक असंवेदनशील हैं और वह सबको दिखाई दे रहा है। खास तौर पर ऐसे मानसिक रोगियों तक के लिए ये प्रावधान नहीं कर पा रहे हैं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद। जय हिन्द।

माननीय अध्यक्ष: अब तो कोई वक्ता बाकी नहीं बचा है?

अनेक माननीय सदस्य: जी नहीं।

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 08 मार्च, 2021 को दोपहर चार बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table.

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded.

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded.

* Not recorded

* Not recorded

* English translation of this part of the speech was originally delivered in Punjabi.

* Not recorded

* Not recorded

* English translation of the Speech originally delivered in Marathi.

* English translation of the Speech originally delivered in Marathi.

* Not recorded

* English translation of the Speech originally delivered in Kannada.

* Not recorded